CHAUDHARY BANSI LAL UNIVERSITY BHIWANI

DEPARTMENT OF HINDI

UNDERGRADUATE PROGRAMME
(Courses effective from Academic Year 2021-2022)

Syllabus of B.A Compulsory/B.A Elective/ B.Sc Courses to Be Offered

Core Courses, DSE, GEC& Ability Enhancement Courses

Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani Annexure-II

(A State University established by Govt. of Haryana Act No. 25 of 2014) Session: 2021-22

Scheme of Examination for Bachelor of Arts Hindi Compulsory

Semester - I

Paper as per Main Scheme of UG	Paper Code	Paper Name	Type Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme		Total
				Theory	Turorial /FW	Total	Theory	Turorial /FW	Total	Theory	Internal Assessment	
CC II A Hindi	UHND-101	हिन्दी साहित्य का इतिहास	CC (Core Copulsory)	4	---	**4**	4	---	**4**	80	20	**100**
AECC-I	UHND-102	हिन्दी भाषा और संप्रेषण	AECC	2	---	**2**	2	---	**2**	80	20	**100**
NCCC-I	UHND-103	सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	NCCC	2	---	**2**	2	---	**2**	80	20	**100**
Total				**08**	---	**08**	**08**	---	**08**	**240**	**60**	**300**

Semester – II

CC II B Hindi	UHND-201	मध्यकालीन हिन्दी कविता	CC (Core Copulsory)	4	---	**4**	4	---	**4**	80	20	**100**
AECC-II	UHND-202	हिन्दी भाषा और संप्रेषण	AECC	2	---	**2**	2	---	**2**	80	20	**100**
NCCC-II	UHND-203	अनुवाद	NCCC	2	---	**2**	2	---	**2**	80	20	**100**
Total				**08**	---	**08**	**08**	---	**08**	**240**	**60**	**300**

Semester – III

CC II C Hindi	UHND-301	आधुनिक हिन्दी कविता	CC (Core Copulsory)	4	---	**4**	4	---	**4**	80	20	**100**
Total				**04**	---	**04**	**04**	---	**04**	**80**	**20**	**100**

Semester – IV

CC II D Hindi	UHND-401	हिन्दी गद्य साहित्य	CC (Core Copulsory)	4	---	**4**	4	---	**4**	80	20	**100**
Total				**04**	---	**04**	**04**	---	**04**	**80**	**20**	**100**

Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani Annexure-II

(A State University established by Govt. of Haryana Act No. 25 of 2014) Session: 2021-22

Scheme of Examination for Bachelor of Arts Hindi Compulsory

Semester - V

Paper as per Main Scheme of UG	Paper Code	Paper Name	Type Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme		Total
				Theory	Turorial /FW	Total	Theory	Turorial /FW	Total	Theory	Internal Assessment	
Opetion for DSEC III A	UHND-501 or UHND-502	कार्यालयी हिन्दी or हिन्दी–निबन्ध	DSEC	6	---	6	6	---	6	80	20	**100**
GEC I	UHND-503	संपादन प्रक्रिया और साज–सज्जा	GEC	6	---	6	6	---	6	80	20	**100**
SEC III	UHND-504	हिन्दी संचार कौशल	SEC	2	---	**2**	2	---	**2**	80	20	**100**
Total				**14**	---	**14**	**14**	---	**14**	**240**	**60**	**300**

Semester – VI

Paper as per Main Scheme of UG	Paper Code	Paper Name	Type Course	Theory	Turorial /FW	Total	Theory	Turorial /FW	Total	Theory	Internal Assessment	Total
DSEC III B	UHND-601 or UHND-602	लोक साहित्य or हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा	DSEC	6	---	6	6	---	6	80	20	**100**
GEC II	UHND-603	हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण	GEC	6	---	6	6	---	6	80	20	**100**
Total				**12**	---	**12**	**12**	---	**12**	**160**	**40**	**200**

CC= Core Course, AECC= Ability Enhancement Courses, SEC= Skill Enhancement Courses, DSE= Discipline Specific Elective Course, NCCC= Non C.G.P.A. Compulsory Courses

Note : 1. For AECC –I *

Students have to choose either Communicative Language (English/Hindi)/EVS

2. For AECC-II*

Students have to choose either Communicative Language (English/Hindi)/EVS

* Those Students who have choose EVS in First Semester have to choose Communicative Language in Second Semester and Vice-Versa

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–प्रथम)
हिन्दी साहित्य का इतिहास

विषय कोड–UHND-101

केडिट : 04
पूर्णांक :100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है,पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

1.1 आदिकाल का नामकरण एवं काल विभाजन
1.2 आदिकालीन काव्य–धाराएँ–सिद्ध,नाथ एवं जैन साहित्य
1.3 आदिकालीन प्रमुख रासो काव्य
1.4 आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ

इकाई–2

2.1 भक्ति आंदोलनः सामाजिक, राजनीतिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
2.2 प्रमुख निर्गुण कविः कबीरदास, गुरूनानक देव, रविदास
2.3 प्रमुख सगुण कविः सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई
2.4 भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ

इकाई–3

3.1 रीतिकाल की ऐतिहासिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि
3.2 रीतिकाल का नामकरण
3.3 रीतिकाल की विशेषताएँ
3.4 रीतिकालीन काव्यधाराएँः– रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध

इकाई–4

4.1 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण एवं भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताएँ
4.2 महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग,द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि
4.3 मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा
4.4 छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता एवं हिन्दी में गद्य विधाओं का उद्भव और विकास–उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

संदर्भित पुस्तकें

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी,संस्करण–1929।
2. संपादक, डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पंब्लिसिंग हाऊस, संस्करण–1973।
3. डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा, हिन्दी साहित्य का इतिहास, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक, संस्करण–1982।
4. डॉ. जयभगवान गोयल, रीतिकाल का पुनर्मूल्यांकन, आत्माराम एडं संस, नई दिल्ल, संस्करण–1984।
5. डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, संस्करण–2004।
6. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण–2007।
7. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी,संस्करण–2015।
8. शिव कुमार शर्मा, हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2015।
9. संपादक, डॉ. नगेन्द्र,हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नई दिल्ली, संस्करण–2019।

03/12/21

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–प्रथम)
हिन्दी भाषा और संप्रेषण

विषय कोड– UHND-102 (AECC-I)

केडिट : 02
पूर्णांक :100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

1.1 भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप।
1.2 हिन्दी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी।
1.3 उपसर्ग, प्रत्यय। पर्यायवाची शब्द।
1.4 विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि।

इकाई–2

2.1 हिन्दी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।
2.2 स्वर के प्रकार – ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
2.3 व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।
2.4 वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य।

इकाई–3

3.1 संधि की परिभाषा और भेद।
3.2 समास की परिभाषा और भेद।
3.3 मुहावरे और लोकोक्तियां।
3.4 अलंकार परिभाषा और भेद (अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा)

इकाई–4

4.1 संप्रेषण अर्थ, परिभाषा एवं प्रक्रिया।
4.2 भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
4.3 हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।
4.4 भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन।

संदर्भित पुस्तकें :

1. डॉ. श्री कान्त सिंह, सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिंद्धान्त, भारती पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, लखेश्वर कॉम्पलेक्स, इलाहाबाद रोड़, फैजाबाद।
2. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम,
3. भोलानाथ तिवारी, हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम,
4. सुरेश कुमार, संप्रेषण–परक व्याकरण :सिद्धान्त और स्वरूप
5. डॉ. मंजु मुकुल, संप्रेषण : चिन्तन और दक्षता

3/12/21

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–प्रथम)
सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

विषय कोड–UHND-103 (NCCC-I)

क्रेडिट : 02
पूर्णांक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है,पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

1.1 सृजनात्मक अर्थ, स्वरूप और महत्त्व।
1.2 सृजनात्मक लेखन के प्रमुख तत्त्व
1.3 सृजनात्मक लेखन की प्रमुख विशेषताएं
1.4 सृजनात्मक लेखन के उद्देश्य।

इकाई–2

2.1 रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप,
2.2 रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन–प्रविधि।
2.3 फीचर लेखन : विषय–चयन, सामग्री–निर्धारण, लेखन–प्रविधि।
2.4 सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

इकाई–3

3.1 साक्षात्कार : (इण्टरव्यू/भेंटवार्त्ता) : उद्देश्य एवं प्रकार
3.2 साक्षात्कार–प्रविधि और महत्त्व।
3.3 स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ

इकाई–4

4.1 स्लोगन और भाषण
4.2 बैनर, पोस्टर, होर्डिंगस।
4.3 बाल साहित्य लेखन
4.4 रेखाचित्र,छायाचित्र और कार्टून लेखन

संदर्भित पुस्तकें

1. प्रशासनिक शब्दावली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली, संस्करण–2003।
2. शकुंतला पांचाल, हिन्दी अनुवाद एवं भाषिक संरचना, अभय प्रकाशन, कानपुर, संस्करण–2005।
3. एच.आर.एफ. कीटिंग, राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन, संस्करण–2008।
4. डॉ. सुरेश सिंहल, सृजनात्मक साहित्य का अनुवादः स्वरूप एवं समस्याएँ, सार्थक प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2009।
5. कामता प्रसाद गुरु, हिन्दी व्याकरण, साहित्यवाचस्पति, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, संस्करण–2009।
6. संपादक, रमेश गौतम, रचनात्मक लेखन, संस्करण–2016।
7. कुमार विमल, कविता–रचना–प्रकिया, संस्करण–2018।

3/12/21

03/12/2021

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–द्वितीय)
मध्यकालीन हिन्दी कविता

विषय कोड–UHND201

केडिट : 04
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40 अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित (मध्यकालीन हिन्दी कविता) आठ कवियों की कविताओं में से पाँच व्याख्याएँ पूछी जांएगी, जिनमें से तीन व्याख्याएं करनी होंगी 8+8+8=24 अंक

इकाई–1

1.1 कबीर तथा सूरदास का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएँ
पाठ्यपुस्तक – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुन्दर दास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा।
1.2 कबीर की साखियाँ – गुरुदेव को अंग, दोहा संख्या–3,4,5,6,7
कुसंगति को अंग 6,7,8,9,10
पाठ्यपुस्तक – भ्रमरगीत सार, सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल
1.3 सूरदास के पद– 1,2,4,5,43,44

इकाई–2

2.1 तुलसीदास तथा मीराबाई का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएँ
पाठ्यपुस्तक – कवितावली, गीताप्रैस गोरखपुर
2.2 बालकांड– 1,2,3
उत्तरकांड– 96,97,98,99,100,105,106
पाठ्यपुस्तक– मीराबाई की पदावली, सं.आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन
2.3 मीरा के पद – 5,17,18,19,22,23,25,41,73,158

इकाई–3

3.1 रसखान तथा बिहारी का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएँ
पाठ्यपुस्तक– रसखान रचनावली, सं.विद्यानिवास मिश्र, सत्यदेव मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,सं.1993
3.2 रसखान के पद– 1,2,3,4,5,6,7,8,9,10,
पाठ्यपुस्तक– बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथ रत्नाकर, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
3.3 बिहारी के दोहे – 2,15,20,25,38,46,69,70,110,123

इकाई–4

4.1 भूषण तथा घनानंद का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएँ
पाठ्यपुस्तक– भूषण ग्रंथावली, संपादक विश्व नाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, संस्करण –2015
4.2 शिवराजभूषण – 2,3,4,5,6,7,8,9,10,11 दोहे
पाठ्यपुस्तक– घनानंद कवित्त, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्रकाशक वाणी वितान प्रकाशन वाराणसी
4.3 घनानंद के छंद – 1,2,3,4,5,6,7,8,9,10

संदर्भित पुस्तकें

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, गोस्वामी तुलसीदास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2003।
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी, कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2011।
3. संपादक, तारकनाथ बाली, भूषण ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2012।
4. संपादक, विद्यानिवास मिश्र, रसखान रचनावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2014।
5. अरविन्द सिंह तेजावत, मीरा का जीवन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण–2015।
6. रामदेश शुक्ल, घनानंद का काव्य, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2017।
7. जगन्नाथदास रत्नाकर, बिहारी रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन,नई दिल्ली, संस्करण–2018।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–द्वितीय)
हिन्दी भाषा और संप्रेषण

केडिट : 02
विषय कोड– UHND-202 (AECC-II)
पूर्णांक :100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

1.1 भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप।
1.2 हिन्दी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी।
1.3 उपसर्ग, प्रत्यय। पर्यायवाची शब्द।
1.4 विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि।

इकाई–2

2.1 हिन्दी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।
2.2 स्वर के प्रकार – ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
2.3 व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।
2.4 वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य।

इकाई–3

3.1 संधि की परिभाषा और भेद।
3.2 समास की परिभाषा और भेद।
3.3 मुहावरे और लोकोक्तियां।
3.4 अलंकार परिभाषा और भेद (अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा)

इकाई–4

4.5 संप्रेषण अर्थ, परिभाषा एवं प्रक्रिया।
4.6 भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
4.7 हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।
4.8 भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन।

संदर्भित पुस्तकें :

1. डॉ. श्री कान्त सिंह, सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिंद्धान्त, भारती पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, लखेश्वर कॉम्पलेक्स, इलाहाबाद रोड़, फैजाबाद।
2. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम,
3. भोलानाथ तिवारी, हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम,
4. सुरेश कुमार, संप्रेषण–परक व्याकरण :सिद्धान्त और स्वरूप
5. डॉ. मंजु मुकुल, संप्रेषण : चिन्तन और दक्षता

3/12/21

3/12/2021

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–द्वितीय)
अनुवाद

केडिट : 02
पूर्णांक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 2 घण्टे

विषय कोड–UHND-203(NCCC-II)

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है,पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
   दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

1.1 अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और विशेषताएं।
1.2 अनुवाद के प्रकार (शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद)
1.3 अनुवाद सिद्धान्त।
1.4 अनुवाद का महत्त्व।

इकाई–2

2.1 साहित्यिक सम्बन्धी अनुवादः– पद्य और गद्य
2.2 विज्ञान सम्बन्धी अनुवाद
2.3 वाणिज्यिक अनुवाद

इकाई–3

3.1 वैज्ञानिक शब्दावली का अनुवाद
3.2 मुहावरों का अनुवाद।
3.3 लोकोक्तियों का अनुवाद
3.4 भारत में अनुवाद प्रशिक्षण के प्रमुख केन्द्र।

इकाई–4

4.1 बैकों में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।
4.2 रेलवे में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।
4.3 कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।
4.1 प्रशासन में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप

संदर्भित पुस्तकें

1. डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्ण कुमार गोस्वामी, अनुवादः सिद्धान्त और समस्याएं, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–1985।
2. डॉ. जी. गोपीनाथन, अनुवादः सिद्धान्त और प्रयोग लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 1985।
3. डॉ. भोला नाथ तिवारी, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार, प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–1986।
4. डॉ. भोला नाथ तिवारी, अनुवादः प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2004।
5. सुरेश कुमार, अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2011।
6. डॉ. रामगोपाल सिंह जादौन, अनुवाद के विविध आयाम, लता साहित्य सदन, गाजियाबाद, संस्करण–2012।
7. संपादक, डॉ. नगेन्द्र ,अनुवाद विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, संस्करण–2015।
8. डॉ. किशोरी लाल कलवार, हिन्दी अनुवाद परम्परा एक अनुशीलन, नवभारत प्रकाशन,शाहदरा, नई दिल्ली, संस्करण–2019।
9. तकनीकी शब्दावली वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय आर के पुरम, नई दिल्ली।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–तृतीय)
आधुनिक हिन्दी कविता

विषय कोड–UHND-301

क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40 अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित (आधुनिक हिन्दी कविता) आठ कवियों की कविताओं में से पाँच व्याख्याएँ पूछी जाएंगी, जिनमें से तीन व्याख्याएँ करनी होंगी 8+8+8=24 अंक

इकाई–1

1.1 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र तथा अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का व्यक्तित्व एवं कृतित्वः सामान्य परिचय
1.2 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की कविताएँ : निज भाषा उन्नति अहै, प्रेम माधुरी।
1.3 अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की कविता : पवनदूती

इकाई–2

2.1 मैथिलीशरण गुप्त तथा जयशंकरप्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व : सामान्य परिचय
2.2 मैथिलीशरण गुप्त की कविताएँः यशोधरा महाकाव्य से यशोधरा भाग, भारत–भारती के प्रथम खण्ड से आर्य स्त्रियां, संदेश यहाँ मैं नहीं स्वर्ग का लाया
2.3 जयशंकर प्रसाद की कविताएँ : श्रद्धा सर्ग, हिमाद्रि तुंग श्रृंग, बीती विभावरी जाग री

इकाई–3

3.1 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला तथा महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व :सामान्य परिचय
3.2 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की कविताएँ : विधवा, वीणा वादिनी, जागो फिर एक बार
3.3 महादेवी वर्मा की कविताएँ : कह दे मां अब क्या देखूँ, कौन तुम मेरे हृदय में, मै नीर भरी दुःख की बदली, वे मुस्काते फूल

इकाई–4

4.1 नागार्जुन तथा नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व : सामान्य परिचय
4.2 नागार्जुन की कविताएँ : उनको प्रणाम, गुलाबी चूड़ियाँ
4.3 नरेश मेहता की कविताएँ : समय देवता,अरण्यानी से वापसी

संदर्भित पुस्तकें

1. डॉ कैलाश वाजपेयी, आधुनिक हिन्दी कविता में शिल्प, आत्माराम एण्ड सन्स, नई दिल्ली, संस्करण–1963।
2. प्रकाश आतुर, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : एक पुनर्मूल्यांकन, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर, संस्करण–1987।
3. रतन कुमार, आधुनिक हिन्दी कविता का वैचारिक पक्ष, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण–2000।
4. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, हिन्दी कविता के सौ वर्ष, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, संस्करण–2010।
5. डॉ. नंद किशोर नवल, आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, संस्करण–2012।
6. लीलाधर मंडलोई, कविता के सौ वर्ष, शिल्पायन, नई दिल्ली, संस्करण–2013।
7. संपादक, सदानंद शाही, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2018।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–चतुर्थ)
हिन्दी गद्य साहित्य

विषय कोड–UHND-401

क्रेडिट : 04
पूर्णांकः 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40 अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित (हिन्दी गद्य साहित्य) आठ रचनाकारों में से पाँच व्याख्याएँ पूछी जाएंगी, जिनमें से तीन व्याख्याएँ करनी होंगी 8+8+8=24 अंक।

इकाई–1

1.1 जैनेन्द्र कुमार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
1.2 उपन्यास : त्यागपत्र–पाठपरक अध्ययन
1.3 त्यागपत्र : तात्त्विक समीक्षा

इकाई–2

2.1 प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद,यशपाल एवं उषा प्रियंवदा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2.2 निम्नलिखित कहानियों का पाठपरक अध्ययन
2.3 कहानी :
- नमक का दरोगा– प्रेमचन्द
- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परदा– यशपाल
- वापसी– उषा प्रियंवदा

2.4 उपर्युक्त कहानियों की तात्त्विक समीक्षा

इकाई–3

3.1 रामचन्द्र शुक्ल तथा हजारी प्रसाद द्विवेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
3.2 निम्नलिखित निबन्धों का पाठपरक अध्ययन
निबंध :
- लोभ और प्रीति –रामचन्द्र शुक्ल
- कुटज–हजारी प्रसाद द्विवेदी

3.3 उपर्युक्त निबंधों की निबन्ध–कला

इकाई–4

4.1 महादेवी वर्मा तथा प्रभा खेतान का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
4.2 निम्नलिखित लेखों का पाठपरक अध्ययन
- युद्व और नारी (शृंखला की कड़ियों से)– महादेवी वर्मा
- आधी दुनिया का श्रम और भूमण्डलीकरण–प्रभा खेतान (उपनिवेश में स्त्री से)

4.3 उपर्युक्त लेखों की समीक्षा

03/12/2021

संदर्भित पुस्तकें

1. रामदरश मिश्र, हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2001।
2. डॉ राजमणि शर्मा, प्रसाद का गद्य साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2002।
3. गोपाल राय, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2005।
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी गद्य विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण–2006।
5. रामविलास शर्मा, प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2008।
6. पुष्पपाल सिंह, भूमण्डलीकरण और हिन्दी उपन्यास, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2012।
7. रामचन्द्र तिवारी, हिन्दी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण–2014।
8. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, चिंतामणि भाग–1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, संस्करण–2017।
9. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, कुटज, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण–2017।

03/12/2021

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–पांचवाँ)
कार्यालयी हिन्दी

विषय कोड–UHND-501 (DSEC)

क्रेडिट : 06
पूर्णांक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

1. कार्यालयी हिन्दी : अभिप्रायः तथा उद्देश्य।
2. सामान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी में सम्बंध और अन्तर।
3. कार्यालयी हिन्दी : स्थिति और संभावनाएँ।
4. कार्यालयी हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : सरकारी, अर्ध–सरकारी, सार्वजनिक उपक्रम

इकाई–2

1. कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली
2. पदनाम, अनुभाग के नाम
3. मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकरियों के लिए प्रयुक्त होने वाले सम्बोधन और निर्देश
4. औपचारिक पदावली/अभिव्यक्तियाँ

इकाई–3

1. पत्राचार के विविध रूप : सामान्य परिचय
2. पत्र
3. ज्ञापन
4. परिपत्र
5. प्रशासनिक पत्र
6. अनुस्मारक
7. पृष्ठांकन (एंडोर्समेंट)
8. अधिसूचना
9. निविदा
10. संकल्प (रेजोल्यूशन)
11. प्रैस विज्ञप्ति
12. घोषणा (प्रोक्लेमेशन)
13. आवेदन

इकाई–4

टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, प्रतिवेदन, अनुवाद अभ्यास
प्रारूपण : तत्त्व, प्रक्रिया,लेखन विधि
टिप्पण : प्रकार, लेखन विधि
संक्षेपण : तत्त्व, प्रकार,लेखन विधि
प्रतिवेदन : तत्त्व, लेखन विधि
अनुवाद अभ्यास (हिन्दी–अंग्रेजी)

संदर्भित पुस्तकें

1. तकनीकी शब्दावली वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय आर के पुरम, नई दिल्ली।
2. भोलानाथ तिवारी, अनुवाद विज्ञान, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–1972।
3. कृष्ण कुमार गोस्वामी, प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–1995।
4. प्रशासनिक शब्दावली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली, संस्करण–2003।
5. राम गोपाल सिंह जादौन, प्रयोजनमूलक हिन्दी, लता साहित्य सदन, गाजियाबाद, संस्करण–2005।
6. शकुंतला पांचाल, हिन्दी अनुवाद एवं भाषिक संरचना, अभय प्रकाशन, कानपुर, संस्करण–2005।
7. कैलाशनाथ पांडेय, प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2007।
8. माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2015।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर– पांचवाँ)
हिन्दी निबन्ध

विषय कोड– UHND-502 (DSEC)

केडिट : 06
पूर्णांक :100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40 अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों में से पाँच व्याख्याएँ पूछी जाएंगी, जिनमें से तीन व्याख्याएँ करनी होंगी 8+8+8=24 अंक।

इकाई–1

1.1 बालकृष्ण भट्ट की निबन्ध–कला की विशेषताएं
1.2 निबन्ध – 'चरित्र पालन'
1.3 रामचन्द्र शुक्ला की निबन्ध–कला की विशेषताएं
1.4 निबन्ध – उत्साह

इकाई–2

2.1 हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबन्ध–कला की विशेषताएं
2.2 निबन्ध – 'अशोक के फूल'
2.3 महादेवी वर्मा की निबन्ध–कला की विशेषताएं
2.4 निबन्ध – 'जीने की कला'

इकाई–3

3.1 रामधारी सिंह दिनकर की निबन्ध–कला की विशेषताएं
3.2 निबन्ध – भारत की सांस्कृतिक एकता
3.3 हरिशंकर परसाई की निबन्ध–कला की विशेषताएं
3.4 निबन्ध – निंदा–रस

इकाई–4

4.1 विद्यानिवास मिश्र की निबन्ध–कला की विशेषताएं
4.2 निबन्ध – मेरे राम का मुकुट भीग रहा।
4.3 जयभगवान गोयल की निबन्ध–कला की विशेषताएं
4.4 निबन्ध – हरियाणा गौरव–गाथा।

संदर्भित पुस्तकें :

1. रामचंद्र तिवारी, हिन्दी का गद्य साहित्य,
2. संपादक नामवर सिंह, हजारी प्रसाद द्विवेदी संकलित निबन्ध, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया।
3. विजय देव नारायण साही, निबन्धों की दुनिया,
4. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, छायावादोन्तर हिंदी गद्य साहित्य
5. विद्यानिवास मिश्र, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, संस्करण 1974।
6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, चिंतामणि भाग–1, इंडियन प्रेस पब्लिकेशंस, इलाहाबाद, संस्करण, 1980।

03/12/2021

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–पांचवाँ)
संपादन प्रक्रिया और साज–सज्जा

विषय कोड– UHND-503 (GEC I)

केडिट : 06
पूर्णांक :100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

1.1 संपादन का अर्थ, स्वरूप एवं अवधारणा।
1.2 संपादक की योग्यता, दायित्त्व एवं महत्त्व।
1.3 संपादन कला के सामान्य सिद्धांत।
1.4 सामाजिक संदर्भ में संपादन का उद्देश्य।

इकाई–2

2.1 अच्छे समाचार–पत्र की विशेषताएं।
2.2 प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।
2.3 संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि।
2.4 संपादकीय का सामाजिक प्रभाव।

इकाई–3

3.1 समाचार–पत्र और पत्रिकाओं में स्तम्भ योजना।
3.2 साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएं।
3.3 हिन्दी के राष्ट्रीय व प्रांतीय समाचार–पत्रों की भाषा।
3.4 छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स का संपादन।

इकाई–4

4.1 साज–सज्जा का अर्थ, स्वरूप एवं अवधारणा।
4.2 मुद्रण के प्रयोग।
4.3 दैनिक समाचार–पत्र का पृष्ठ निर्माण।
4.4 पत्रिका की साज–सज्जा और रंग संयोजन।

संदर्भित पुस्तकें :

1. डॉ. चन्द्रप्रकाश मिश्र, मीडिया लेखन : सिद्धान्त और व्यवहार, संजय प्रकाशन
2. विजय कुमार आनन्द, राकेश नैम, मीडिया लेखन एवं सम्पादन कला, रजत प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. एन.सी. पंत, मीडिया लेखन के सिद्धान्त, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. डॉ. भगवान देव पाण्डेय, आधुनिक मीडिया प्रबंधन, पक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. डॉ. राजेन्द्र मिश्र, मीडिया अनुसंधान, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. मधुकर लेले, भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हरीश चंद्र बर्णवाल, टेलीविजन की भाषा, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. वनिता कोहली–खांडेकर, भारतीय मीडिया व्यवसाय, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।

Manju

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–पांचवाँ)
हिन्दी संचार कौशल

विषय कोड–UHND504 (SEC III)

क्रेडिट : 02
पूर्णांक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

1. भाषा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप।
2. भाषा के प्रकार।
3. भाषा की विशेषताएँ।
4. भाषा की उपयोगिता एवं महत्व।

इकाई–2

1. हिन्दी भाषा उद्‌भव और विकास।
2. हिन्दी के विविध रूप – मातृभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा।
3. बोली, उपभाषा और भाषा।
4. मानक हिन्दी के तत्वः ध्वनि, शब्द, वाक्य, अर्थ।

इकाई–3

1. संचार : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप।
2. संचार के प्रकार।
3. संचार की प्रक्रिया।
4. संचार का महत्व।

इकाई–4

1. संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास।
2. प्रभावी संचार कौशल।
3. संचार कौशल के सिद्धान्त।
4. संचार कौशल की प्रासंगिकता।

संदर्भित पुस्तकें:

1. हरदेव बाहरी, हिन्दी उद्‌भव और विकास, प्रकाशक किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण–1966।
2. उदय नारायण तिवारी, हिन्दी भाषा, उद्‌गम और विकास, प्रकाशक भारती भंडार, इलाहाबाद, संस्करण–1961।
3. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, हिन्दी भाषा शिक्षण, सहकारी प्रकाशन नई दिल्ली, संस्करण–1984।
4. डॉ नरेश मिश्र, भाषा और हिन्दी भाषा का इतिहास, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, संस्करण–2006।
5. अरूण चतुर्वेदी, संप्रेषण कला, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, संस्करण–2007।
6. श्रीकान्त सिंह, संप्रेषणः प्रतिरूप एवं सिद्धान्त, भारती पब्लिशर, फैजाबाद, संस्करण–2009।
7. डॉ. भोलानाथ तिवारी, सम्प्रेषण और सम्प्रेषण, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, संस्करण–2010।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–छठा)
लोक साहित्य

विषय कोड– UHND-601 (DSEC)

केडिट : 06
पूर्णांक :100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40 अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित लोकगीतों में से पाँच व्याख्याएँ पूछी जांएगी, जिनमें से तीन व्याख्याएं करनी होंगी 8+8+8=24 अंक

इकाई–1

1.1 लोक साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप।
1.2 लोक संस्कृति का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप।
1.3 लोक साहित्य और लोक संस्कृति का अंतर्सम्बध।
1.4 लोक साहित्य के संकलन की समस्याएं।

इकाई–2

2.1 लोक गीत अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप।
2.2 लोक गीतों की विशेषताएं।
2.3 लोक नाट्य (सांग) अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप।
2.4 लोक नाट्य (सांग) की विशेषताएं।

इकाई–3

3.1 लोक कथा अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप।
3.2 लोक कथा की विशेषताएं।
3.3 लोक–गाथा अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप।
3.4 लोक–गाथा की विशेषताएं।

इकाई–4

4.1 प्रसिद्ध लोक गाथाएं–
गूगा–पीर, किस्सा–राव किशन गोपाल
4.2 व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तक हरियाणा के लोकगीत (खण्ड–1)

संदर्भित पुस्तकें :

1. डॉ. पूर्णचंद शर्मा, हरियाणवी और उसकी बोलियों का अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
2. डॉ. शंकरलाल यादव, हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
3. डॉ. बाबूराम एवं रघुवीर मथाना, हरियाणवी साहित्य का इतिहास, लक्षण साहित्य, प्रकाशन, रोहतक।
4. डॉ. बाबूराम, हरियाणवी भाषा और साहित्य, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
5. साधुराम शारदा, हरियाणा के लोकगीत, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–छठा)
हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा

बिषय कोड– UHND-602 (DSEC)

केडिट : 06
पूर्णांक :100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से रचना व रचनाकार पर आधारित दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40 अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं में से पाँच व्याख्याएँ पूछी जांएगी, जिनमें से तीन व्याख्याएं करनी होंगी 8+8+8=24 अंक

इकाई–1

1.1 मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक परिचय।
1.2 कविता–भारत की श्रेष्ठता (भारत–भारती के अतीत खण्ड)।
1.3 कविता–हमारे पूर्वज (भारत–भारती के अतीत खण्ड)।
1.4 कविता–आदर्श (भारत–भारती के अतीत खण्ड)।

इकाई–2

2.1 माखनलाल चतुर्वेदी का साहित्यिक परिचय।
2.2 कविता–स्वागत (हिमकिरीटिनी काव्य संग्रह)।
2.3 कविता–कैदी ओर कोकिला (हिमकिरीटिनी काव्य संग्रह)।
2.4 कविता–सिपाही (हिमकिरीटिनी काव्य संग्रह)।

इकाई–3

3.1 रामधारी सिंह दिनकर का साहित्यिक परिचय
3.2 कविता–जनतंत्र का जन्म (धूप और धुआं काव्य संग्रह)।
3.3 कविता–भारत का आगमन (धूप और धुआं काव्य संग्रह)।
3.4 कविता–भारतीय सेना का प्रयाण गीत (धूप और धुआं काव्य संग्रह)।

इकाई–4

4.1 सुभद्रा कुमारी चौहान का साहित्यिक परिचय।
4.2 कविता–बालिका का परिचय (मुकुल काव्य संग्रह)।
4.3 कविता– वीरों का कैसा हो बसंत (मुकुल काव्य संग्रह)।
4.4 कविता– झांसी की रानी (मुकुल काव्य संग्रह)।

संदर्भित पुस्तकें :

1. यशोधरा, मैथिलीशरण गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2008
2. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, आधुनिक हिन्दी कविता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सम्पादक नंदकिशोर नवल, स्वतंत्रता पुकारती, प्रकाशन साहित्य अकादमी, संस्करण 2006।
4. रेणुका, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2009।
5. धूप और धुआं, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2019।
6. मुकुल, सुभद्रा कुमारी चौहान, सरल प्रकाशन, संस्करण 2011।
7. सम्पादक कृष्णदत्त पालीवाल, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, प्रकाशन वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2008।

03/12/2021

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर– छठा)
हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण

विषय कोड–UHND-603 (GEC II)

केडिट : 06
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धान्त

1. सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
2. सम्प्रेषण की प्रक्रिया
3. सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल
4. अभाषिक सम्प्रेषण

इकाई– 2

सम्प्रेषण के प्रकार

1. मौखिक और लिखित सम्प्रेषण
2. वैयक्तिक, सामाजिक और व्यवसायिक सम्प्रेषण
3. भ्रामक सम्प्रेषण और प्रभावी सम्प्रेषण में अन्तर
4. सम्प्रेषण में चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

इकाई– 3

सम्प्रेषण के माध्यम

1. एकालाप और संलाप
2. संवाद
3. सामूहिक चर्चा
4. मशीनी माध्यम : ई–मेल, सोशल मीडिया,एस.एम.एस., इंटरनेट, फीडबैक, मौखिक और लिखित सम्प्रेषण

इकाई– 4

मौखिक और लिखित सम्प्रेषण

1. बोलना : भाषण, वॉयस ओवर,वाद–विवाद
2. लिखना : पत्र लेखन, अनुच्छेद लेखन, पल्लवन, संक्षेपण
3. पढ़ना : कविता पठन, नाट्यांश पठन, समाचार वाचन
4. समझना : विवरण, वर्णन, विश्लेषण, व्याख्या

संदर्भित पुस्तकें

1. रामगोपाल सिंह, आधुनिक हिन्दी व्याकरण, पार्श्व प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण–2005।
2. कामता प्रसाद गुरु, हिन्दी व्याकरण, साहित्यवाचस्पति, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, संस्करण–2009।
3. प्रो.हरिमोहन, अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2014।
4. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, हिन्दी का समाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, संस्करण–2015।
5. डॉ. ब्रजमोहन, भाषा और व्यवहार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2016।
6. सुरेश कुमार, सम्प्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धान्त और प्रारूप, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, संस्करण–2018।
7. डॉ. मंजु मुकुल, सम्प्रेषण : चिंतन और दक्षता, हिन्दी बुक सेन्टर, नई दिल्ली, संस्करण–2019।